

भारत टीबी रपिर्त, 2020

प्रलिस के लयः

वशिव सवास्थय संगठन, तपेदकऱ, डॉक्टर्स वदऱउट बॉर्डर्स, कोवडऱ-19

मेन्स के लयः

वैश्वकऱ तपेदकऱ रपिर्त और सवास्थय से संबधतऱ मुददे

चरचा में क्योँ?

‘डॉक्टर्स वदऱउट बॉर्डर्स’ (Doctors Without Borders) नामक एक गैर-सरकारी संगठन (NGO) के अनुसार, **COVID-19** महामारी ने तपेदकऱ (Tuberculosis) से नपऱटने के प्रतऱअपनाई जाने वाली वैश्वकऱ रणनीतऱ को प्रभावतऱ कयऱ है ।

प्रमुख बदऱः

रपिर्त के बारे में:

- रपिर्त में भारत सहतऱ 37 उच्च टीबी-बर्डन वाले देशोँ का डेटा प्रसतुत कयऱ गया है (वैश्वकऱ अनुमानतऱ टीबी के मामलोँ के 77% का प्रतऱनधऱतऱव करते हुए) ।
- रपिर्त में यह दरशाया गया है कऱ राषट्रीय नीतऱयोँ ‘**वशिव सवास्थय संगठन**’ (World Health Organisation- WHO) के दशऱ-नरऱदेशोँ और सरवोत्तम अंतरराषट्रीय प्रथाओँ के साथ कसऱ हद तक संरेखतऱ है ।
- यह इस रपिर्त का **चौथा संस्करण** है, जो देशोँ की नीतऱयोँ और राषट्रीय टीबी कारयकर्मोँ के 4 प्रमुख कषेत्रोँ से संबधतऱ प्रथाओँ पर केंद्रतऱ है:
 - नदऱन (Diagnosis),
 - उपचार (Treatment) (देखभाल के मॉडल सहतऱ),
 - रोकथाम (Prevention),
 - दवाओँ की खरीद नीतऱयोँ ।

रपिर्त संबधऱ प्रमुख नषऱकरण:

- जनऱ देशोँ में रपिर्त के लयऱ सरवेक्षण कयऱ गया है उन देशोँ में WHO की नीतऱयोँ को अपनाने और कारयानवयन में अनेक बाधाएँ पाई गई ।
- चकऱतऱसा कषेत्तर में हाल ही में कयऱ महत्त्वपूर्ण चकऱतऱसा नवाचारोँ तक बहुत कम लोगोँ की पहुँच सुनश्चऱतऱ हो पा रही है ।
- टीबी रोग से ग्रसतऱ तीन में से एक वयकृतऱ को अभी भी अधसूचतऱ नहीँ कयऱ गया है और नदऱन की सुवधऱ उपलब्ध नहीँ हो पाई है ।
- सरवेक्षण में शामिल लगभग तीन में से दो देशोँ द्वारा अपनी नीतऱयोँ में **एचआईवी (human immunodeficiency virus)** से ग्रसतऱ लोगोँ में टीबी की जाँच के लयऱ मूलर आधारतऱ **TB lipoarabinomannan (TB LAM)** परऱक्षण को शामिल नहीँ कयऱ गया है ।

भारत के संबध में:

- वशऱषजजोँ के अनुसार, भारत **रोग प्रतरऱधक-TB (Disease Resistant-TB)** के लयऱ नई दवाओँ के उपयोग के संबध में अभी भी बहुत ही रूढवऱदी दृषटकऱण (Conservative Approach) का पालन कर रहा है ।
- गैर-सरकारी संगठन ने टीबी के परऱक्षण, उपचार और रोकथाम में तेजऱ लाने तथा नये चकऱतऱसा उपकरणोँ तक सभी की पहुँच सुनश्चऱतऱ करने के लयऱ वतऱतीय सहायता प्रदान करने के लयऱ सरकारोँ से आहवान कयऱ है ।
- इसके अलावा डब्ल्यूएचओ की एक रपिर्त के अनुसार, COVID-19 महामारी के दौरान TB के नदऱन कराने वाले लोगोँ की संख्या में तेजऱ से गरऱवट देखी गई है ।
- COVID-19 महामारी के दौरान जहाँ DR-TB ड्रग्स **बेडाकवलऱनऱ (Bedaquiline)** और **डेलमनीड (Delamanid)** के स्केलगऱ नहीँ करने पर भारत की आलोचना की गई है ।

- **प्रीटोमोनीड (Pretomanid) DR-TB** के उपचार के लिये विकसित तीसरी नई दवा है।
- मार्च 2020 तक, भारत के MDR-TB के 10% से भी कम मरीजों को बेडाक्वलिनि की उपलब्धता सुनिश्चित हो पाई। यह एक चर्चाजनक वषिय है, क्योंकि दुनिया के कुल DR-TB रोगियों में से एक चौथाई भारत में है।
- भारत में दुनिया में सबसे ज्यादा टीबी रोगी है। वर्ष 2018 में कुल 2.15 मिलियन टीबी मामले रपॉर्ट किये गये, जो वर्ष 2017 की तुलना में 16% अधिक है।

टीबी से लड़ने के लिये भारत की पहल:

राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम:

- टीबी पर नियंत्रण के लिये भारत सरकार ने वर्ष 1962 से राष्ट्रीय क्षय नियंत्रण कार्यक्रम लागू किया। इसके अंतर्गत ज़िला स्तर पर एक सुपरवज़िन एवं मॉनिटरिंग इकाई के रूप में ज़िला क्षय निवारण केंद्र की स्थापना की गई।

वर्ष 2025 तक टीबी को खत्म करना:

- भारत वर्ष 2025 तक देश से क्षय रोग (टीबी) को खत्म करने के लक्ष्य के लिये प्रतबद्ध है। यह विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा निर्धारित समय सीमा (वर्ष 2030) से आगे है।

नक्षय इकोसिस्टम (The Nikshay Ecosystem):

- नक्षय इकोसिस्टम जो एक राष्ट्रीय टीबी सूचना प्रणाली है और रोगियों की जानकारी का प्रबंधन और कार्यक्रम की गतिविधियों की निगरानी के लिये वन स्टॉप सॉल्यूशन है।

नक्षय पोषण योजना (Nikshay Poshan Yojana):

- टीबी रोगियों को पोषण संबंधी सहायता प्रदान करने के लिये अप्रैल 2018 में नक्षय पोषण योजना, एक प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण योजना की शुरुआत की गई है। इस योजना के तहत टीबी रोगियों को उपचार की पूरी अवधि के लिये प्रतमाह 500 रुपए मिलते हैं।

टीबी हारेगा देश जीतेगा अभियान:

- वर्ष 2019 में 'टीबी हारेगा देश जीतेगा अभियान' (TB Harega Desh Jeetega Campaign) की शुरुआत की गई है जो देश में टीबी के उन्मूलन से संबंधित कार्यक्रम है।

सक्षम परियोजना (The Saksham Project):

- टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज़ (Tata Institute of Social Sciences) द्वारा DR-TB रोगियों को मनो-सामाजिक परामर्श प्रदान करने के लिये सक्षम परियोजना शुरू की गई है।
- भारत सरकार ने देश भर में एक नज़ी क्षेत्र के कार्यक्रम **JEET (Joint Effort for Elimination of TB)** को शुरू करने के लिये ग्लोबल फंड के साथ भागीदारी की है।

वैश्विक प्रयास:

- विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने ग्लोबल फंड और स्टॉप टीबी पार्टनरशिप के साथ एक संयुक्त पहल **"शोध. उपचार. सर्व. #EndTB" (Find. Treat. All. #EndTB)** शुरू की है, जिसका उद्देश्य टीबी प्रतिक्रिया को तेज करना और देखभाल तक पहुंच सुनिश्चित करना है, जो डब्ल्यूएचओ के यूनविर्सल हेल्थ कवरेज की ओर समग्र ड्राइव के अनुरूप है।

WHO वैश्विक तपेदिक रपॉर्ट भी जारी करता है।

आगे का रास्ता

- विभिन्न कार्यक्रमों द्वारा प्राप्त उल्लेखनीय सफलताओं के बावजूद, शीघ्र और सटीक निदान में सुधार के लिये मज़बूत प्रयासों की आवश्यकता होती है, जिसके बाद एक त्वरित उपयुक्त उपचार होता है जो टीबी को समाप्त करने के लिये महत्वपूर्ण है।

भारत को वैश्विक प्रयासों में सहयोग करना चाहिये जो टीबी को खत्म करने के लिये किये जा रहे हैं।

टीबी/क्षय:

- टीबी या क्षय रोग बैक्टीरिया (माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस) के कारण होता है जो फेफड़ों को सबसे अधिक प्रभावित करता है।

- टीबी एक संक्रामक रोग है जो एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में खांसी, छींकने या थूकने के दौरान हवा के माध्यम से या फरि संक्रमति सतह को छूने से फैलता है ।
- इस रोग से पीड़ति व्यक्ति में बलगम और खून के साथ खांसी, सीने में दर्द, कमजोरी, वजन कम होना, तथा बुखार इत्यादके लक्षण देखे जाते हैं ।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Referenece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/india-tb-report-2020-1>

